**23. प्रतिवादी के विरुद्ध डिक्री के निष्पादन में प्रतिवादी की ओर से संदाय किये गये धन के लिए वाद**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

अबक ........ वादी

बनाम

कखग ................... प्रतिवादी

**ऊपर नामित वादी निम्नलिखित रूप में सादर निवेदन करता है -**

1. यह कि तारीख...... को वादी ने प्रतिवादी के अनुरोध पर ............... .................... रुपये की एक रकम प्रतिवादी के विरुद्ध उस न्यायालय द्वारा पारित की गयी डिक्री के समाधान में........... की न्यायालय में संदाय किया।
2. यह कि प्रतिवादी ने उसके तीन महीने के अन्दर 12 प्रतिशत वार्षिक की दर पर ब्याज सहित, वादी द्वारा जमा की गयी उपनिर्णीत डिक्री की रकम का प्रतिसंदाय करने का वचन दिया था। तीन महीने तभी से गुजर गये है लेकिन वे जिसका वचन दिया था उस रकम का प्रतिसंदाय नही.........किया है।
3. यह कि वाद हेतुक उस समय तारीख........ को उपर्युक्त तीन महीने की समाप्ति के पश्चात् पैदा हुआ जब प्रतिवादी ने उस तारीख को प्रतिवादी द्वारा की गयी मांग पर भी ब्याज सहित रकम का संदाय नहीं किया और इस न्यायालय के पास वाद का विचारण करने की अधिकारिता है।
4. यह कि वाद का अनुबन्धित दर पर ब्याज सहित उपर्युक्त डिक्री के समाधान में न्यायालय में संदाय की गयी मूल रकम.......... रुपये पर मूल्यांकन किया जाता है और न्यायालय फीस का उस पर संदाय किया जाता है।

**दावाकृत अनुतोष**

वादी प्रतिवादी से ....... ........... रुपये तथा वाद को दाखिल करने की तारीख से उसके संदाय तक ब्याज का दावा करता है।

वादी

जरिये अधिवक्ता

**सत्यापन**

मैं ऊपर नामित वादी, एतद् द्वारा सत्यापित करता हूँ, कि वादपत्र के पैरा ............. ...... ...... ........... .... .. लगायत .................................. की अन्तर्वस्तु मेरी व्यक्तिगत जानकारी में सत्य है और ................................... पैरा के वे सभी तथा उसका.......... उस विधिक सलाह पर आधारित है। जिसे मैं सत्य होने का विश्वास करता हूँ।

मैं इस दिनांक ....... को सत्यापित किया गया।

वादी